Title: Need to pass the unauthorised colonies in Delhi and also provide the civic amenities.

श्री लाल बिहारी तिवारी (पूर्वी दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, १९६० में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की आबादी २० लाख थी। देश के कोने-कोने से लाखों लोग रोजगार कमाने के लिए दिल्ली में आए। वे लोग आलीशान बस्तियों में अपने मकान नहीं ले सकते थे, इसलिए यहां के गांव वालों ने सस्ती जमीन उन्हें दे दी, जिसके कारण यहां अनऑथॉराइज्ड कालोंनियां बन गई। आज लगभग दो हजार अनऑथराइज्ड कॉलोंनियां दिल्ली में हैं, जिनमें बीस लाख लोग नारकीय जीवन बिता रहे हैं। चूंकि उन कालोंनियो को पास नहीं किया गया है। इन कालोंनियों को पास करने के लिए गत भाजपा सरकार ने १०७१ कालोंनियों को पास करके केन्द्र सरकार के पास भेजा था, जहां संयुक्त मोर्चा सरकार थी, कांग्रेस ने जिसका समर्थन किया था, लेकिन उसमें स्वीकृति प्रदान नहीं की गई। मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इन कालोंनियों को तुरंत पास किया जाए, ताकि वहां नागरिक सुविधाएं जुटाई जा सकें और वे लोग भी अच्छा जीवन जी सकें। मैं चाहूंगा कि माननीय मंत्री जी इसमें कुछ दखल दें और हमें बतायें ये कालोंनियां बहुत जल्दी पास की जायेंगी, ताकि २० लाख लोगों का जीवन सुधर सके।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, हम भी इसका समर्थन करते हैं।

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) : सर, मैं लगातार तीन दिनों से नोंटिस दे रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय : हम सभी को बुला रहे हैं।